श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटरा
(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक—प्रगति विवरण जुलाई 2017 - जून 2018

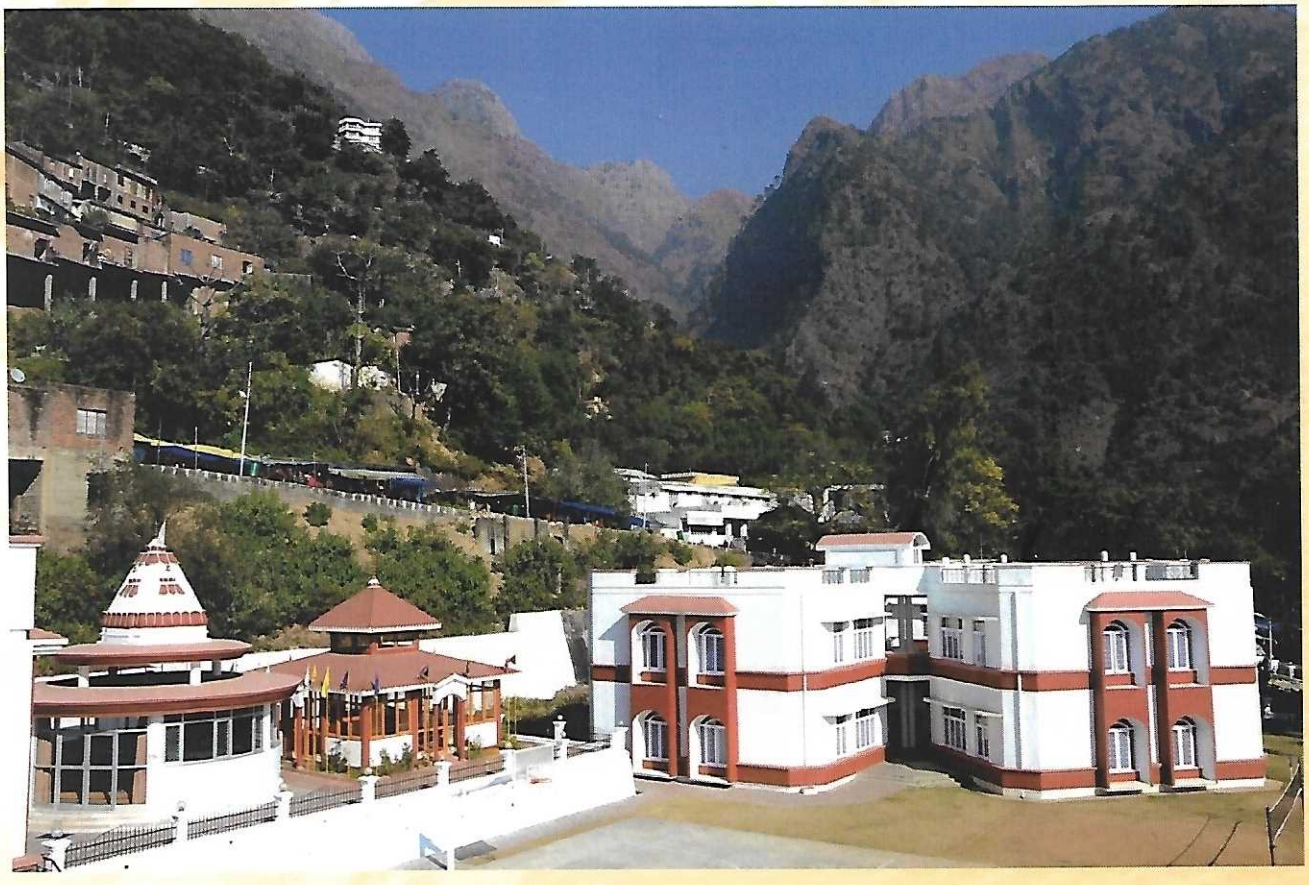

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल भवन का चित्र)

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

चरणपादुका, कटरा

(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक—प्रगति विवरण

(जुलाई 2017 - जून 2018)

प्रकाशक:

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

चरणपादुका, कटरा

ओऽम् विद्याञ्चाविद्याञ्चयस्तद्वेदोभयं सह।
अविद्ययामृत्त्युन्तीत्त्वाविद्ययामृतमश्नुते।।

जो प्राणी विद्या और अविद्या को एक साथ जानता है वह अविद्या (निष्काम कर्म के द्वारा) मृत्यु को पार करके ब्रह्मविद्या के द्वारा अमृतत्त्व अर्थात् मोक्ष को प्राप्त करता है। विद्या क्या है ?
उपनिषद् में कहा गया है कि —

सा विद्या या विमुक्तये

"जिसके द्वारा आनन्दप्राप्ति दु:खनिवृत्ति आत्यन्तिक रूप से हो वह विद्या है।"
वर्तमान शिक्षा पद्धति अक्षर ज्ञान, पुस्तकीय ज्ञान, सूचना संग्रह, अच्छे अंक और डिग्रियों तक सीमित है। परन्तु विद्या जीवन में आत्मिक उन्नति, श्रेष्ठता, पवित्रता, नैतिकता, सदाचार, शिष्टाचार आदि की भावना जाग्रत करती है। भारत सदा से विद्या का उपासक रहा है। पाश्चात्य जगत ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उन्नति की है परन्तु परमार्थ विद्या, आध्यात्मिक चिन्तन चारित्रिक मूल्यों में पिछड़ गया । प्राचीन भारत में विद्यार्थी गुरु के पास जाकर ब्रह्मचारी के रूप में शिक्षा प्राप्त करते थे। गुरु उनके मानस और बौद्धिक संस्कारों को पूर्ण करता हुआ उन्हें सभी शास्त्रों एवं उपयोगी विद्याओं की शिक्षा देता तथा अंत में दीक्षा देकर उन्हें समाज के विभिन्न उत्तरदायित्वों के वहन करने के लिये वापस भेजता था।

वर्तमान समय में भी आधुनिक शिक्षा के साथ प्राचीन वैदिक भारतीय विद्या के ज्ञानार्थ गुरुकुल की अत्यन्त आवश्यकता है यह संकल्प भगवती मां वैष्णवी की कृपा से श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अन्त: करण में उदय हुआ। जिसके फलस्वरूप दिनांक ०१ जुलाई २०१० को "श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल" का प्रारम्भ श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के द्वारा हुआ।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के आधार शिविर कटरा से लगभग दो किलोमीटर पर चरणपादुका में स्थित है। यहाँ का प्राकृतिक सुरम्य वातावरण वेदमन्त्रों से गुञ्जायमान होता हुआ सरस्वती पीठ कश्मीर क्षेत्र को वहीं गौरव दिला रहा हैं जो इसे प्राचीन भारतीय इतिहास में प्राप्त था। न केवल वेद अपितु यहाँ व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, दर्शनादि शास्त्रीय ज्ञान की अविरल गंगा नित्य प्रवाहित होती हुई विश्व को एक ऐसी पीढ़ी प्रदान कर रही है जो भारतीय वैदिक संस्कृति को पुन: प्रतिष्ठापित कर भारत को विश्वगुरु होने का गौरव दिलाएगी। आधुनिक समय में हमारे प्राचीन शास्त्रों की उपयोगिता को पूरा विश्व जाने और समझे इसके लिए वैदिक शास्त्रों के साथ—साथ आधुनिक विषयों का ज्ञान भी सर्वथा अपेक्षित है। अत: यहाँ के छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, संगीत, योगविज्ञान, विभिन्न प्रकार के खेल, संगणक (कम्प्यूटर) इत्यादि विषयों की भी शिक्षा दी जा रही है। यह गुरुकुल प्रतीची और प्राची का सुन्दर मेल हैं। गुरुकुल के छात्रों की जागरण से लेकर शयन तक की दिनचर्या सुव्यवस्थित, अनुशासनात्मक और आदर्शपूर्ण है। जिससे छात्रों का न केवल बौद्धिक विकास होता है अपितु उनके जीवन में सदाचार, अनुशासन, श्रेष्ठता, सच्चरित्रता, आध्यात्मिकता का भी समावेश होता है।। भगवती वाग्देवी माँ सरस्वती की साधना, उपासना और अथक परिश्रम का ही यह फल है कि यहाँ के छात्रों ने राष्ट्रिय स्तर पर अपना परचम फहराया है। सन् २०१३ से लेकर अब तक हर वर्ष यहाँ के छात्रों ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी से स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। राष्ट्रिय स्तर की शास्त्रीय कण्ठपाठ प्रतियोगिताओं में भी यहाँ के छात्रों ने हर वर्ष प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। मां भगवती वैष्णवी से हम यही प्रार्थना करते हैं कि यह गुरुकुल हमारी भारतीय वैदिक संस्कृति को पुन: प्रतिष्ठापित कर भारत को फिर से विश्वगुरु होने का गौरव प्राप्त कराये।

। जय माता दी ।

सम्पादक

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

1. परिचय :

1.1. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, विश्वप्रसिद्ध श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के आधार शिविर कटरा (जम्मू व कश्मीर) से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर चरणपादुका में स्थित है। **श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटरा, जम्मू व कश्मीर** द्वारा स्थापित इस गुरुकुल का संचालन स्थापन बोर्ड द्वारा ही किया जाता है। यह गुरुकुल लगभग **30 कनाल** भूमि पर निर्मित है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, आधुनिक भाषा प्रयोगशाला, आचार्य निवास, छात्रावास, विविध क्रीडांगण एवं भोजनालय की व्यवस्था है।

1.2. गुरुकुल स्थापना के उद्देश्य :

- भावी पीढ़ी को भारतीय पारम्परिक शास्त्रों एवं आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ सुन्दर समन्वय स्थापित कर सुशिक्षित करना,
- अध्येता छात्रों का चारित्रिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करना,
- भावी पीढ़ी को **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आदर्श भावना से समन्वित करना,
- वेदाध्ययन के माध्यम से श्रुति परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखना,
- नई पीढ़ी में भारतीय आचार, विचार एवं देशभक्ति से समन्वित समग्र व्यक्तित्व का विकास करना।

1.3. सम्बद्धता :

इस गुरुकुल को प्रथमा (अष्टम) से आचार्य (स्नातकोत्तर) कक्षा पर्यनत **सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है।

1.4. अध्ययनार्थ उपलब्ध विषय :

गुरुकुल में कक्षा **प्रथमा प्रथम वर्ष (षष्ठ)** से **प्रथमा तृतीय वर्ष (अष्टम)** पर्यनत पारम्परिक विषयों— वेद, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, पुराणेतिहास एवं तुलनात्मक दर्शन के साथ ही आधुनिक विषय— विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी एवं संगणक (कंप्यूटर) की शिक्षा दी जाती है। पूर्वमध्यमा प्रथम (नवम) से वेद एवं ज्योतिष का ऐच्छिक पारम्परिक विषय के रूप में और व्याकरण, साहित्य एवं दर्शन का अनिवार्य पारम्परिक विषय के रूप में अध्यापन होता है। आधुनिक विषयों में केवल गणित एवं अंग्रेजी की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त समस्त छात्रों के बहुमुखी प्रतिभा के विकास हेतु योग एवं संगीत का समुचित प्रशिक्षण दिया जाता है। भाषागत (संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी) दक्षता को विकसित करने के उद्देश्य से भाषाप्रयोग का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

1.5. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों हेतु श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटरा द्वारा निम्नलिखित व्यवस्थाएँ पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध की गई हैं —

1.5.1

छात्रों हेतु :

- नि:शुल्क आवास, भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकादि की समुचित व्यवस्था,
- छात्रों की आरोग्यता हेतु चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था।

(छात्रावास में अध्ययनरत छात्रगण)

1.5.2 अध्ययन–अध्यापन व्यवस्था :

गुरुकुल परिसर में अध्ययन हेतु कुल–**21** कक्ष निर्मित हैं, जिनमें अध्ययन कक्षों के अतिरिक्त निम्नलिखित कक्ष हैं–

(क) प्रार्थना कक्ष :

गुरुकुल में प्रतिदिन प्रात: प्रार्थना एवं योगाभ्यास तथा अन्य सामूहिक कृत्यों के सम्पादनार्थ सभागार प्रार्थना कक्ष के रूप में एक विद्यमान है।

(प्रार्थना कक्ष में सामूहिक प्रार्थना करते हुए छात्रगण)

(ख) पुस्तकालय :

छात्रों में स्वाध्याय की प्रवृत्ति एवं सामूहिक अध्ययन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से तथा ज्ञान–विज्ञान के विविध साहित्य से छात्रों को परिपोषित करने हेतु गुरुकुल परिसर में लगभग **1800** प्राचीन–अर्वाचीन ग्रन्थ एवं पत्रिकाओं से सुसज्जित तथा संवर्द्धित एक समृद्ध पुस्तकालय की व्यवस्था है। वर्तमान में **162** छात्र इस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

(पुस्तकालय में अध्ययनरत छात्र)

(ग) संगणक कक्ष :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को पारम्परिक ज्ञान–विज्ञान को आधुनिक प्रकल्पों के माध्यम से विश्वपटल पर स्थापित करने में दक्ष करने के उद्देश्य से कुल **24** अत्याधुनिक संगणक यन्त्रों से सुसज्जित एक संगणक कक्ष की व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से सभी छात्रों को संगणक के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पक्षों से अवगत कराया जाता है।

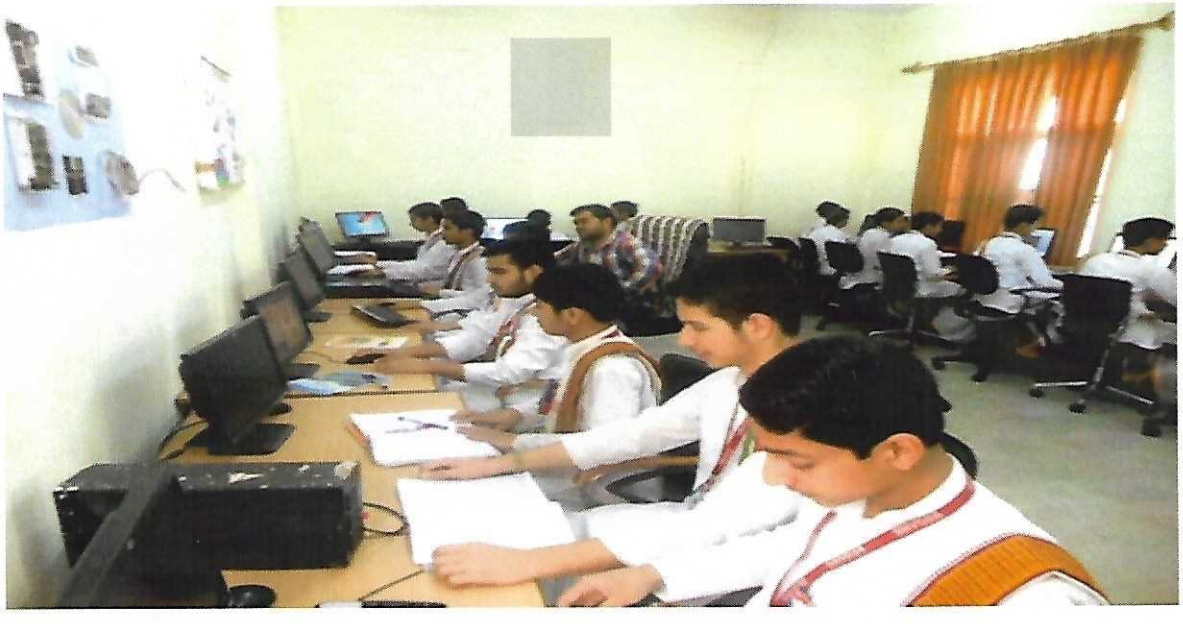

(संगणक कक्ष में छात्र)

(घ) भाषा प्रयोगशाला :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी सम्बन्धी भाषागत समस्याओं के निराकरणार्थ भारत शासन के द्वारा प्रायोजित त्रिभाषा–सूत्र का अनुसरण करते हुए एक अत्याधुनिक भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, जिसमें एक साथ **27** छात्र भाषा अध्ययन से लाभान्वित होते हैं।

(भाषा प्रयोगशाला में अध्ययनरत छात्रगण)

(ङ) संगीत–शिक्षण कक्ष :

छात्रों में गायन एवं वादन कला विकसित करने हेतु विविध वाद्ययन्त्रों का प्रायोगिक ज्ञान तथा गायन सम्बन्धी स्वर एवं ताल का विशिष्ट प्रशिक्षण निरन्तर दिया जा रहा है।

(संगीतकक्ष में अभ्यासरत छात्रगण)

1.5.3 स्वास्थ्य–चिकित्सा व्यवस्था :

छात्रों की आरोग्यता हेतु छात्रावास में समुचित चिकित्सकीय परीक्षण की सुविधा है तथा आकस्मिक प्राथमिक उपचार हेतु औषधि इत्यादि की समुचित व्यवस्था विद्यमान है। यथासमय छात्रों के विशेष चिकित्सकीय परीक्षण हेतु गुरुकुल में सम्बन्धित विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमन्त्रित किया जाता है। छात्रों के लिए स्थापन बोर्ड द्वारा नवस्थापित अत्याधुनिक चिकित्सालय श्री माता वैष्णो देवी नारायणा सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल, ककड़याल में विविध प्रकार की उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

1.5.4 क्रीडा सम्बन्धी व्यवस्थाएँ :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ–साथ शरीरिक विकास हेतु क्रीडा, व्यायाम एवं योगाभ्यास की समुचित व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत छात्रों की सुविधा हेतु गुरुकुल परिसर में सुन्दर बास्केटबाल क्रीडा क्षेत्र, वालीबॉल क्रीडा क्षेत्र, बैटमिन्टन,एवं क्रिकेट के लिए सुसज्जित क्रीडा क्षेत्र के साथ ही आभ्यन्तर क्रीडाओं (शतरंज, कैरम बोर्ड तथा टेबल टेनिस) की भी व्यवस्था है। सम्प्रति व्यायाम हेतु विशेष व्यायाम यन्त्रों की व्यवस्था है।

(वालीबॉल खेलते हुए छात्र)

(बास्केटबॉल खेलते हुए छात्र)

1.5.5 प्राकृतिक वातावरण :

सुरम्य प्राकृतिक वातावरण में स्थित गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की प्राकृतिक चेतना के विकास को ध्यान में रखते हुए गुरुकुल परिसर में एक सुन्दर प्राकृतिक उद्यान की संरचना की गई है।

(गुरुकुल में स्थित सुन्दर प्राकृतिक उद्यान)

1.6. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ : (आचार्यों हेतु)

गुरुकुल में अध्यापनरत आचार्यों हेतु परिसर में ही सुन्दर आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

(आचार्यों हेतु आवास)

1.7. सौर ऊर्जा :

1.7.1. गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों तथा आचार्यों का अध्ययन एवं आवश्यक कार्य बाधित न हो इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली (**Solar Power System**) स्थापित की गई है। इस प्रकार गुरुकुल मे निर्बाध विद्युत्—व्यवस्था उपलब्ध है।

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र)

1.7.2. गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों तथा आचार्यों की स्नानादि नित्य दैनिकक्रियाएँ निर्बाधतया सम्पन्न हों, इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा चालित जल—उष्णक प्रणाली (**Solar Water Heater System**) स्थापित की गई है।

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा ऊष्णक प्रणाली यन्त्र)

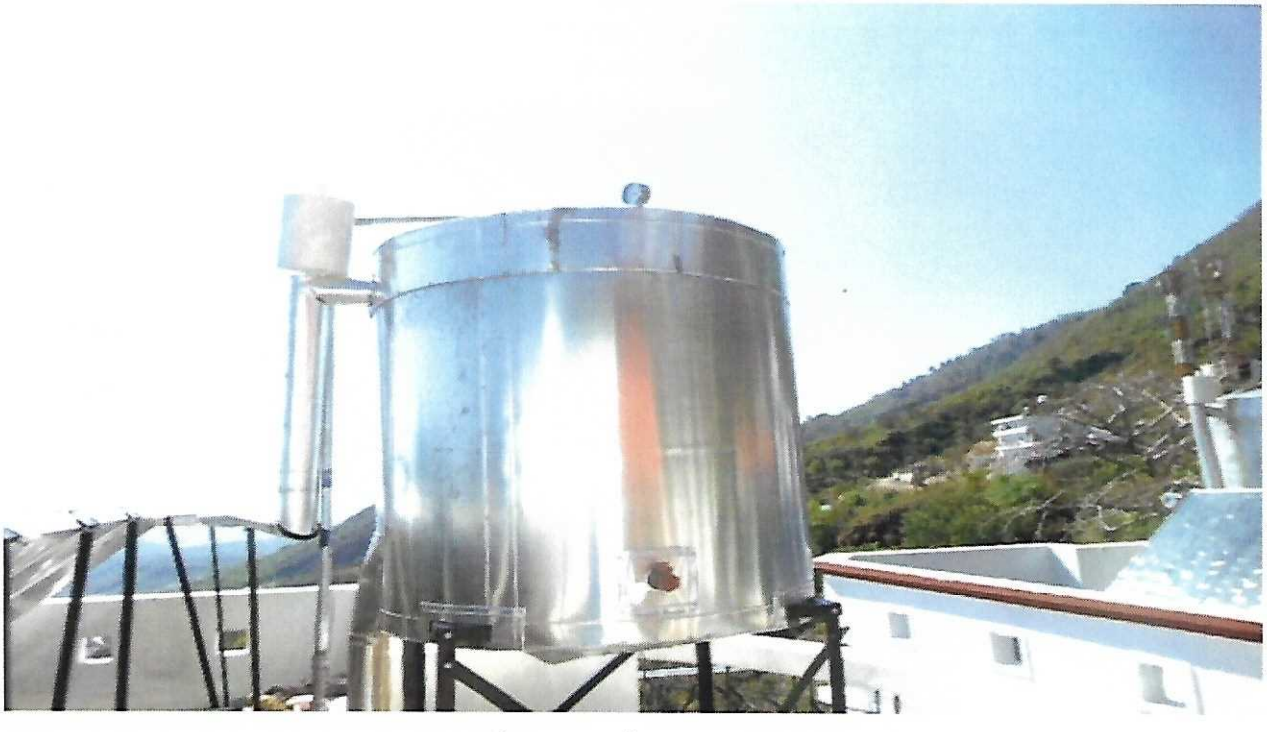

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा ऊष्णक प्रणाली यन्त्र)

1.8. शुद्ध पेय जल की व्यवस्था :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों एवं आचार्यों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए छात्रावास परिसर में अत्याधुनिक जल शोधक यन्त्रों (**R-O Water Purifier**) को स्थापित किया गया है।

(छात्रों हेतु पेयजल शोधक यन्त्र)

1.9. प्रवेश प्रक्रिया :

गुरुकुल में प्रथमा—प्रथमवर्ष (कक्षा षष्ठ) में ही प्रवेश लिया जाता है। वही छात्र अग्रिम कक्षाओं में प्रविष्ट होते हैं। छात्रों का प्रवेश वरीयतानुसार एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से होता है, जिसमें लिखित एवं मौखिक परीक्षा सम्मिलित है।

1.10. दैनिक दिनचर्या :

गुरुकुल में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र को गुरुकुल के शासी—परिषद् द्वारा निर्धारित निम्नलिखित सुव्यवस्थित दिनचर्या प्रणाली का निर्वहन करना अनिवार्य है—

ग्रीष्मकालीन दिनचर्या

(**01** अप्रैल से **30** सितम्बर पर्यनत)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 5:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 5:00 बजे से 5:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 5:10 बजे से 6:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 6:00 बजे से 6:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 6:45 बजे से 7:30 बजे तक	योगाभ्यास (सोमवार,बुधवार एवं अवकाश के दिन) अन्य दिनों में स्वाध्याय/गृहकार्य
6.	प्रातः 7:30 बजे से 8:00 बजे तक	अल्पाहार
7.	प्रातः 8:00 बजे से 9:35 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
8.	प्रातः 9:35 बजे से 9:50 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 9:50 बजे से 10:00 बजे तक	प्रार्थना
10.	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्ण 1:20 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
11.	अपराह्ण 1:20 बजे से 2:10 बजे तक	भोजनावकाश

12.	अपराह्ण 2:10 बजे से सायं 4:10 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
13.	सायं 4:10 बजे से सायं 4:20 बजे तक	चाय, जलपान
14.	सायं 4:20 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल *
15.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:00 बजे तक	वस्त्र परिवर्तन
16.	सायं 6:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
17.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	सामूहिक कक्ष
18.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
19.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
20.	रात्रि 10:00 बजे	शयन

* छात्र तिथि के अनुसार संगीत तथा संगणक की कक्षा में अध्ययन करते हैं।

शीतकालीन दिनचर्या

(01 अक्तूबर से 31 मार्च पर्यनत)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 6:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 6:00 बजे से 6:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 6:10 बजे से 7:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 7:00 बजे से 7:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 7:30 बजे से 8:00 बजे तक	योगाभ्यास(सोमवार,बुधवार एवं अवकाश के दिन) अल्पाहार (मंगल,गुरु,शुक्र,शनि एवं रवि)
6.	प्रातः 8:00 बजे से 8:30 बजे तक	अल्पाहार (योगाभ्यास के दिन) स्वाध्याय/गृहकार्य(मंगल,गुरु,शुक शनि एवं रवि)
7.	प्रातः 8:30 बजे से 9:35 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
8.	प्रातः 9:35 बजे से 9:50 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 9:50 बजे से 10:00बजे तक	प्रार्थना
10.	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्ण 1:20 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
11.	अपराह्ण 1:20 बजे से 2:10 बजे तक	भोजनावकाश
12.	अपराह्ण 2:10 बजे से सायं 4:10 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
13.	सायं 4:10 बजे से सायं 4:20 बजे तक	चाय, जलपान
14.	सायं 4:20 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल*
15.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:00 बजे तक	वस्त्र परिवर्तन
16.	सायं 6:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
17.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	सामूहिक कक्ष
18.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन

19.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
20.	रात्रि 10:00 बजे	शयन

* छात्र तिथि के अनुसार संगीत तथा संगणक की कक्षा में अध्ययन करते हैं।

दिनचर्या

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल – द्वितीय प्रखण्ड)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 5:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 5:00 बजे से 5:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 5:10 बजे से 6:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 6:00 बजे से 6:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 6:45 बजे से 7:10 बजे तक	योगाभ्यास
6.	प्रातः 7:10 बजे से 7:35 बजे तक	अल्पाहार
7.	प्रातः 7:35 बजे से 8:05 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
8.	प्रातः 8:05 बजे से 8:15 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 8:15 बजे	अध्ययनार्थ प्रस्थान
10.	प्रातः 8:30 बजे से 8:40 बजे तक	प्रार्थना
11.	प्रातः 8:40 बजे से अपराह्ण 2:05 बजे तक	कक्षा - अध्ययन (Nine Periods)
12.	अपराह्ण 2:05 बजे से	कक्षा-विराम एवं छात्रावास प्रस्थान
13.	अपराह्ण 2:20 बजे से अपराह्ण 3:10 बजे तक	भोजन
14.	अपराह्ण 3:10 बजे अपराह्ण 4:30 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
15.	सायं 4:30 बजे से सायं 4:40 बजे तक	चाय, जलपान
16.	सायं 4:40 बजे से सायं 6:00 बजे तक	खेल/इत्यादि
17.	सायं 6:00 बजे से सायं 6:30 बजे तक	सन्ध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
18.	सायं 6:30 बजे से सायं 7:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
19.	सायं 7:30 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	समाचार इत्यादि का अवलोकन
20.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
21.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
22.	रात्रि 10:00 बजे	शयन
23.	अवकाश के दिन	सत्संग/प्रवचन/संगीत/कम्प्यूटर

1.11. साप्ताहिक अवकाश :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों का साप्ताहिक अवकाश रविवार की अपेक्षा भारतीय सांस्कृतिक परम्परानुसार प्रत्येक पक्ष की **प्रतिपदा एवं अष्टमी** तिथि को (गुरुकुल की शासी–परिषद् द्वारा) निर्धारित किया गया है। साप्ताहिक अवकाश के दिन छात्र पुस्तकालय एवं मनोरञ्जन आदि सुविधाओं का लाभ प्राप्त करते हैं।

1.12. छात्र—अभिभावक मिलन :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को अपने अभिभावकों से मिलने हेतु गुरुकुल की शासी—परिषद् के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की एक तिथि निर्धारित की गई है।

2. गुरुकुल शासी—परिषद् :

इस गुरुकुल को समुचित रूप से प्रगति पथ पर अग्रसर कराने हेतु एक शासी—परिषद् स्थापित है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं—

1)	**श्री बी०बी० व्यास, (भा०प्र०सेवा)** मुख्य सचिव, जम्मू व कश्मीर	:	अध्यक्ष
2)	**मुख्य कार्यकारी अधिकारी,** श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड	:	सदस्य
3)	**प्रो० युगलकिशोर मिश्र,** पूर्वकुलपति राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।	:	सदस्य
4)	**प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री,** पूर्वप्राचार्य, राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू एवं निदेशक, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल	:	सदस्य
5)	**अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी,** श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड	:	सदस्य
6)	**मुख्य लेखाधिकारी,** श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड	:	सदस्य
7)	**प्रशासक,** श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल	:	सदस्य
8)	**प्रधान पुजारी,** श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड	:	सदस्य

गुरुकुल शासी—परिषद् की अब तक **24** बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें गुरुकुल को प्रगतिशील करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

(शासी—परिषद् की बैठक प्रगति पर)

3. प्रगति—विवरण (सत्र— 1 जुलाई 2017 से 30 जून 2018 तक)

3.1. नवीन सत्रारम्भ :

गुरुकुल प्रथम प्रखण्ड का **2018—2019** वर्षीय शैक्षिक सत्रारम्भ **अप्रैल 2018** को एवं गुरुकुल प्रखण्ड द्वितीय का सत्रारम्भ **जुलाई 2018** को हुआ।

3.2. उपनयन—संस्कार :

प्रत्येक वर्ष की भाँति गुरुकुल में नव प्रवेशित छात्रों का **उपनयन—संस्कार** शुद्धज्येष्ठ कृष्ण पञ्चमी **दिनांक 04 मई 2018** को गुरुकुल के उप प्राचार्य के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

(नवागत छात्रों का यज्ञोपवीत संस्कार)

3.3. चण्डीयज्ञ :

गुरुकुल में प्रतिवर्ष शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्र के उपलक्ष्य में अध्ययनरत छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल के उप प्राचार्य के आचार्यत्व में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्रों में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञ—सम्पादन क्षमता को विकसित किया।

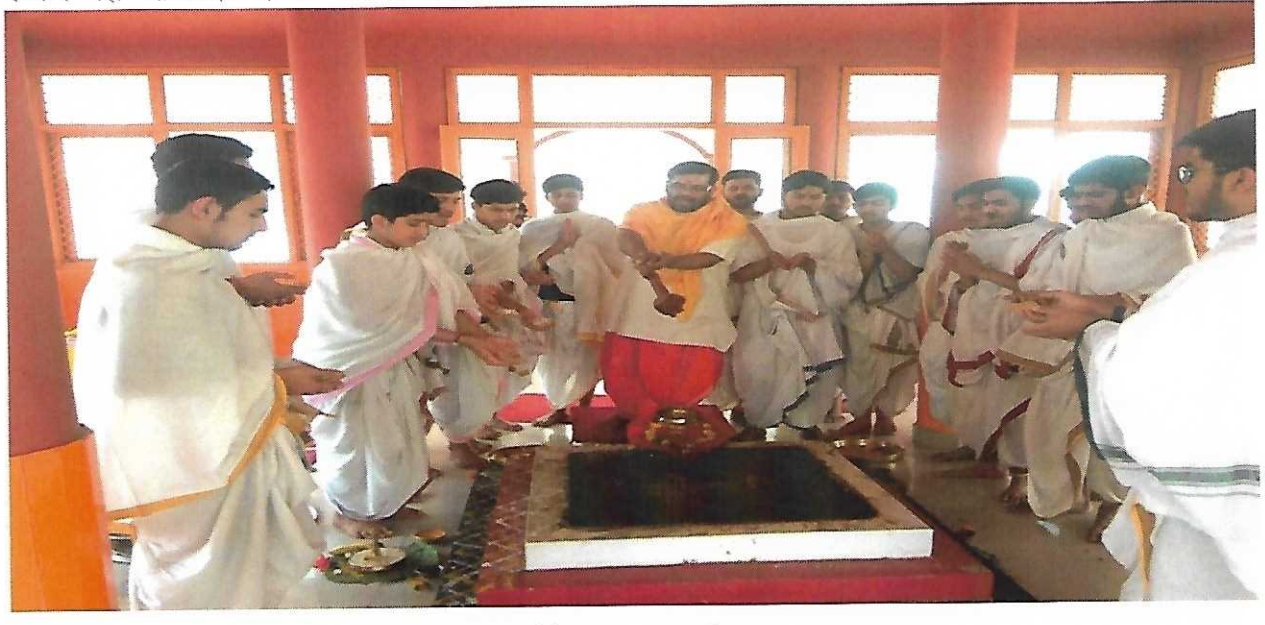

(चण्डीयज्ञ में भाग लेते हुए उपप्राचार्य एवं छात्र)

3.4. वार्षिक—दिवस समारोह :

3.4.1. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल का षष्ठ वार्षिक दिवस समारोह **30** अगस्त **2017** को श्री माता वैष्णो देवी आध्यात्मिक केन्द्र कटरा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली** के कुलपति **प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय** जी मुख्य अतिथि थे।

(दीप प्रज्वलित कर वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि)

3.4.2. इस समारोह में गुरुकुल–शासी परिषद् के सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अधिकारी तथा कर्मचारी, पुराना दरुड़ एवं कटडा क्षेत्र के गणमान्य, गुरुकुल के आचार्य, शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी तथा छात्रों के अभिभावकगण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्रों ने भजन, गायन एवं नाटक इत्यादि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वार्षिक परीक्षाओं तथा अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि ने अपने कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया।

(वार्षिकोत्सव में संस्कृत नाट्यमंचन करते हुए छात्र)

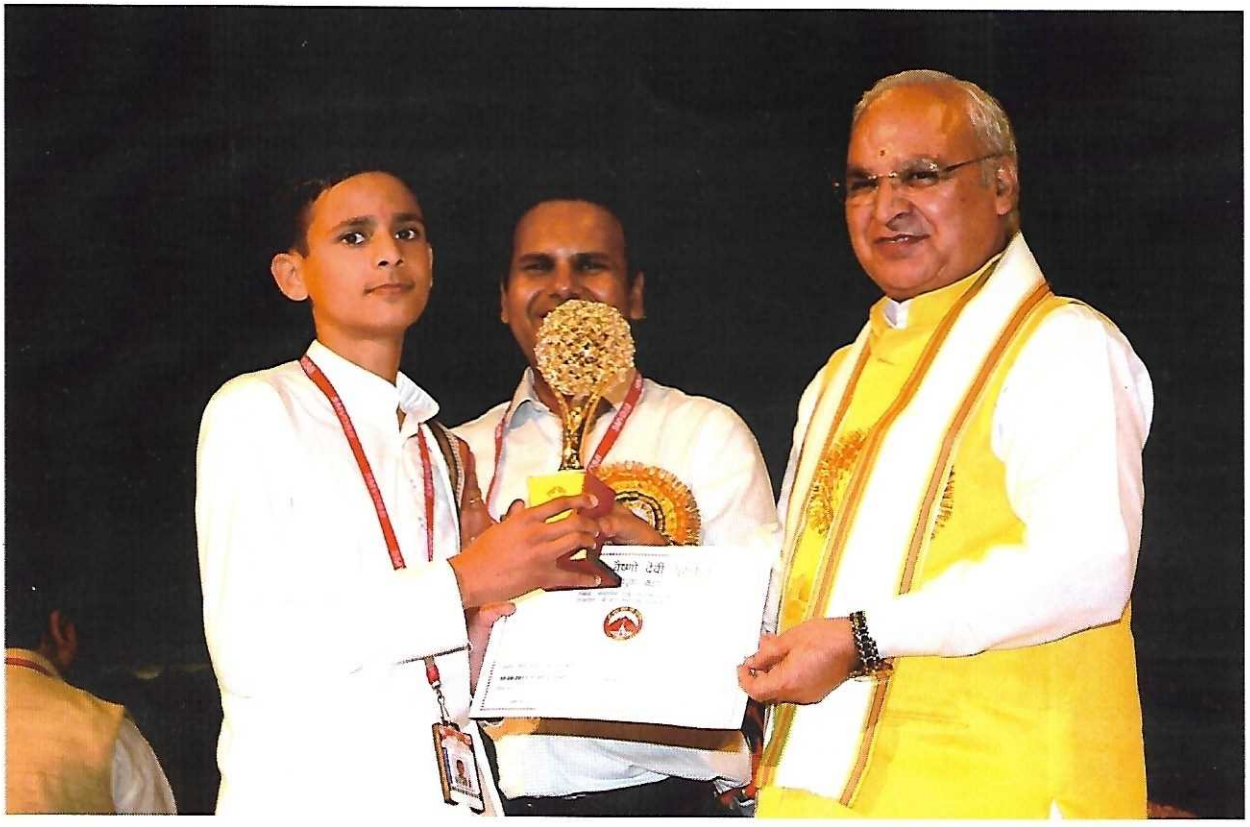

(गुरुकुल का सर्वोत्कृष्ट छात्र पुरस्कार मुख्य अतिथि द्वारा प्राप्त करते हुये छात्र)

3.4.3. इस समारोह में श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के कनिष्ठ अभियंता श्री विनोद कुमार जी को श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड के निर्माण में उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए मुख्य अतिथि **प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय जी** (श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति) द्वारा सम्मानित किया गया।

(श्री विनोद कुमार जी को सम्मानित करते हुए माननीय मुख्य अतिथि)

गुरुकुल के वार्षिकोत्सव–2017 के उपलक्ष्य में मुख्यातिथि के रूप में समागत प्रो०रमेश कुमार पाण्डेय जी के सम्बोधन का सारांश

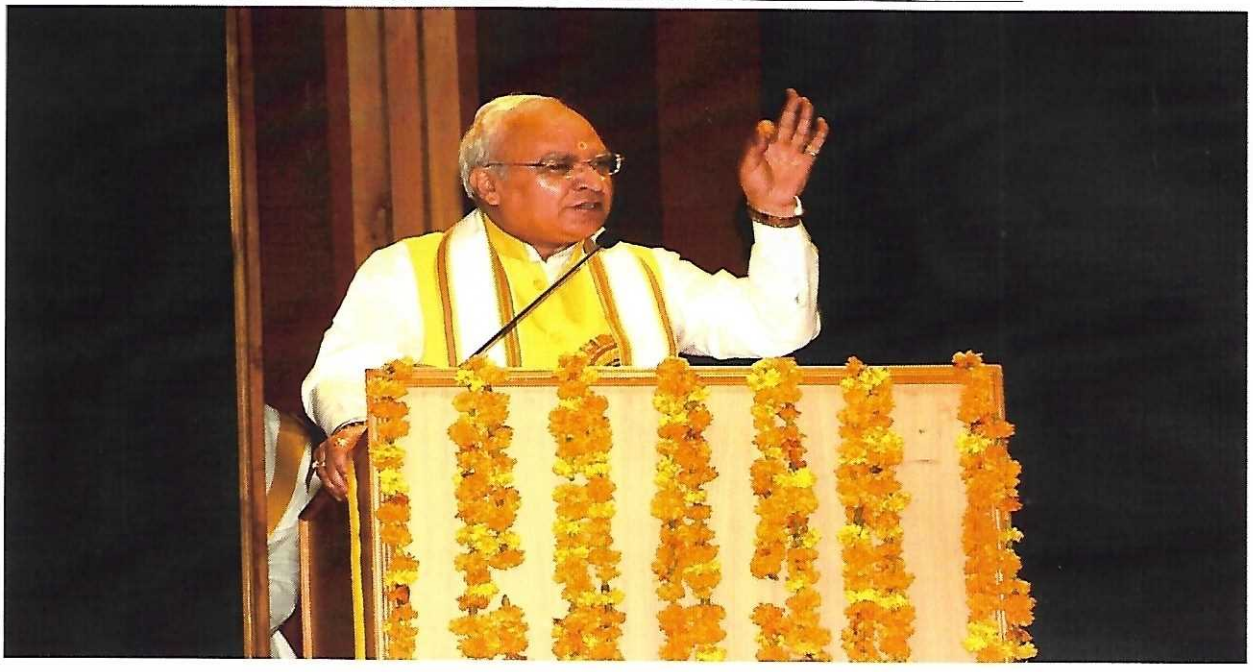

(मुख्य अतिथि प्रो॰ रमेश कुमार पाण्डेय जी गुरुकुल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए)

यह मेरा परम सौभाग्य है कि मैं इस वार्षिकोत्सव में उपस्थित हूँ। इस विशाल भारतवर्ष में कितने ही छात्र प्रतिभावान और संस्कृत पढ़ने की अभिलाषा लिए हुए हैं परन्तु गुरुकुल में प्रवेश पाने का अवसर आप को मिला है। यह आपका भाग्य नहीं अतिशय सौभाग्य है और आपके माता, पिता व अभिभावकों के पुण्य का फल है। संस्कृत पढ़ने वाला विद्यार्थी यदि मेधावी है, परिश्रमशील है तो इस पृथ्वी पर कोई भी ऐसी वस्तु नहीं है जिसे वह प्राप्त नहीं कर सकता। मैं डॉ॰एस॰एस॰ बलोरिया जी को धन्यवाद देता हुँ जिन्होंने संस्कृत और संस्कृति की उन्न्यन हेतु ऐसे गुरुकुल के निमार्ण का संकल्प लिया। प्राचीन काल में गुरुकुल को राजा का संरक्षण प्राप्त होता था सारी सुविधाएं छात्रों को प्राप्त होती थी फिर भी छात्र भिक्षाटन करते थे। जिससे उनके मन में अंहकार न आ जाये। आज इस गुरुकुल को देखकर यहाँ की उत्तमोत्तम व्यवस्था देखकर मुझे वह शास्त्रों में पढ़ा हुआ गुरुकुल स्मरण हो आया। यहाँ के छात्रों में कोई एकाङ्गीपन नहीं है। यह प्राचीन शास्त्रों के अध्येता हैं, अंग्रेजी, कम्प्यूटर, संगीत, क्रीड़ा आदि सभी विद्याओं में प्रवीण हैं। सर्वांगीण विकास की योजना को आपने साकार किया है। यह मैं श्री माता वैष्णो देवी की कृपा के अतिरिक्त और कुछ नहीं मानता।

भारत को विश्वगुरु कहा जाता था क्योंकि भारत ने विश्व को ज्ञान प्रदान किया। यदि समाज को सामर्थ्यवान बनाना है तो उसे ज्ञान प्रदान करना होता है। इसलिए श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है कि

''न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते''

ज्ञान के समान पवित्र इस संसार में कुछ नहीं और इसे प्राप्त करने का उपाय भी वहाँ लिखा है।

''तव्द्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया ।''

ज्ञान प्राप्त करने के तीन उपाये हैं प्रणिपातेन अर्थात् गुरु की शरण में जाना, परिप्रश्नेन अर्थात् जिज्ञासा भाव से प्रश्न करना और सेवया अर्थात् गुरु के प्रति समर्पण और सेवा भावना से ज्ञान धीरे–धीरे आप में संक्रान्त होगा। और इस विद्या को देने वाले कौन होंगे यह भी वहीं लिखा है।

''उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः''

यह ज्ञान वह लोग देंगे जो केवल ज्ञानी ही नहीं अपितु तत्त्वदर्शी भी हों ऐसे गुरु के द्वारा वह ज्ञान प्राप्त होता है। कहा गया है कि —

''बुद्धिर्यस्य बलं तस्य''

बलवान वह है जिसके पास बुद्धि होती है। भारत ने विश्व को उपासना पद्धति दी, अध्यात्मविद्या दी और योगविद्या दी। मुझे प्रसन्नता है कि हमारे गुरुकुल के छात्र योग विद्या में भी प्रवीण हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है कि —

''युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।।''

योग एक जीवन शैली है आप योग करते हैं तो कब सोना है, कब जागना है, क्या खाना है, कितना खाना है इन सबका ज्ञान होता है। विश्व के लोग जब उठना—बैठना, चलना—बोलना नहीं जानते थे तब भारत में उत्कृष्ट ज्ञान की चर्चा होती थी। उस ज्ञान को भारत ने सम्पूर्ण विश्व को दिया। विशेषरूप से चरित्र की शिक्षा दी। बिना संस्कृत पढ़े आचरण कैसा होना चाहिए, यह ज्ञान नहीं हो सकता। कहा गया है कि

''आचारः परमो धर्मः।

और वेद का उद्घोष है कि —

''आचारहीनं न पुनन्ति वेदाः।''

जिसका आचरण शुद्ध नहीं है उसे वेद भी पवित्र नहीं करते। यह भगवद्वचन है कि यदि आप शुभ कर्म करेंगे तो शुभ परिणाम होगा और यदि अशुभ कर्म करेंगे तो अशुभ परिणाम होगा। कहा गया है कि —

''अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाऽशुभम्''

यह सारी शिक्षा गुरुकुल के छात्रों को दी जाती है। यह माँ की कृपा है कि जो आपने कल्पना की वह साकार हुई। परन्तु यह परिपूर्ण तबतक नहीं होती जबतक उस कल्पना को मूर्त रूप देने के लिए अध्यापक नहीं होते। इस गुरुकुल में बहुत अच्छे अध्यापक हैं। मुझे इनसे मिलकर बहुत ही संतुष्टी हुई। कहा गया है कि —

''विद्यया वपुसा वाचा वस्त्रेण विभवेन च।
वकारपञ्चभिर्युक्तः नरो भवति पूजितः।।''

इन सभी लक्षणों से यहाँ के अध्यापक परिपूर्ण हैं। संस्कृत विद्या में सब कुछ है न केवल आध्यात्मिक अपितु आयुर्वेद, पशुचिकित्सा, विमानशास्त्र और रसायनशास्त्र आदि।

रसायनशास्त्र के विद्वान् नागार्जुन ने अपने ग्रन्थ रसरत्नाकर में चाँदी को सोना बनाने की विधि लिखी है।

''किमत्रचित्रं यदि पीतगन्धकः, पलाशनिर्यास रसेनशोचितः।
आरण्यकेरूत्पलकेस्तु पाचितः, करोति तारं त्रिपुटेनकांचनम्।।''

भारतवर्ष के आचार्यों को यह अद्भुत विद्या प्राप्त थी। उसमें भी यह अञ्चल कश्मीर जिसका भारतीय वाङ्मय में अद्भुत योगदान रहा। बिल्हण कहते हैं —

''सहोदराः कुङ्कुमकेसराणां, भवन्ति नूनं कविताविलासाः।

यह कश्मीर को छोड़कर कहीं अन्यत्र सम्भव नहीं कि कुङ्कुम केसर और काव्यविलास एक साथ उत्पन्न होते हो। यह क्षेत्र कविता, तन्त्रागम, शैवदर्शन का हैं। यह भगवती की कृपा से प्लावित क्षेत्र है। यह गुरुकुल पुनः भारतीय संस्कृति को प्रतिष्ठापित करने के लिए एक केन्द्र बनेगा जिससे भारतवर्ष को ही नहीं सम्पूर्ण विश्व को प्रेरणा मिलेगी। मेरे प्यारे छात्रों मैं बहुत प्रसन्न हूँ। मैं भगवती के चरणों में कोटि—कोटि वन्दन करते हुए आप लोगों के यशस्वी जीवन के लिए प्रार्थना करता हूँ।

3.5 गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड (Phase- II):—

3.6 नवनिर्मित गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड का उद्घाटन :—

दिनांक **17 अक्तूबर 2017** को जम्मू व कश्मीर के सम्माननीय राज्यपाल व श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अध्यक्ष श्री एन्.एन्. वोहरा जी द्वारा गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड का उद्घाटन किया गया। जिसमें श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के माननीय सदस्यगण भी उपस्थित रहे। श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. बलोरिया, प्रो. युगल किशोर मिश्र, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, श्री जितेन्द्र कुमार सिंह मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय तथा अन्य श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

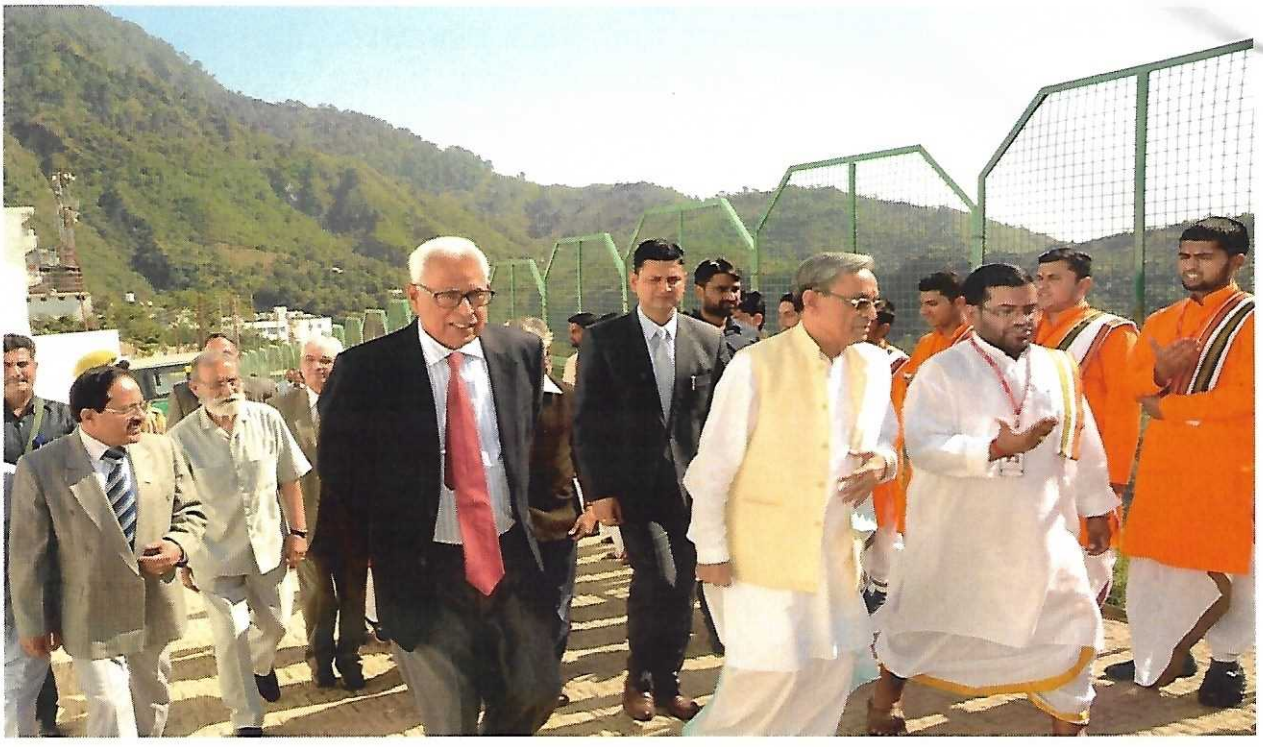

(माननीय राज्यपाल श्री एन्.एन्. वोहरा जी का मंत्रोचारण के साथ स्वागत करते हुए गुरुकुल के आचार्य एवं छात्र)

(गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड का उद्घाटन करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय एवं श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के सदस्यगण)

(माननीय राज्यपाल महोदय गुरुकुल शासी परिषद के अध्यक्ष एवं सदस्यों से द्वितीय प्रखण्ड के विषय में चर्चा करते हुए)

(माननीय राज्यपाल महोदय गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड के छात्रों से अध्ययन अध्यापन एवं व्यवस्थाओं के विषय में चर्चा करते हुए)

(गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड का भवन)

(छात्रावास में अध्ययनरत छात्रगण)

3.7 वनभोज कार्यक्रम :

गुरुकुल में अध्ययनरत सम्पूर्ण छात्रों को प्राकृतिक पर्यावरण के ज्ञान प्राप्ति के साथ–साथ बाहरी वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक वनभोज कार्यक्रम हेतु **दिनांक 27 मार्च 2018** को प्रसिद्ध तीर्थस्थल शुद्धमहादेव व मानतलाई ले जाया गया। शुद्धमहादेव जी (शूलपाणीश्वर) का दर्शन, पूजन एवं मंत्र स्तोत्र पाठ इत्यादी छात्रों एवं आचार्यों द्वारा किया गया। प्राचीन शुद्धमहादेव गर्भगृह एवं परिसर में विद्यमान सभी देवी देवताओं के आलौकिक–दर्शनोपरान्त सभी छात्रों व आचार्यों/शिक्षकों द्वारा प्रसन्न चित्त होकर अन्य ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों का भी अवलोकन एवं भ्रमण किया गया।

(वनभोज कार्यक्रम में सम्मिलित छात्र)

3.8 पुरी (उड़ीसा) यात्रा : गुरुकुल में अध्ययनरत उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के **15** छात्रों को बाहरी राज्यों के प्रसिद्ध स्थलों से अवगत कराने के उद्देश्य से **दिनांक 01 अप्रैल 2018** से **दिनांक 09 अप्रैल 2018** तक गुरुकुल के आचार्य डॉ० नरेश शर्मा व श्री सुशान्त शर्मा जी के नेतृत्व में ओडिसा राज्य के प्रसिद्ध तीर्थस्थल पुरी एवं भुवनेश्वर का भ्रमण कराया गया।

(श्री जगन्नाथ धाम में श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल चरणपादुका कटरा के आचार्य एवं छात्रगण)

(कोर्णाक मन्दिर, पुरी (ओडिसा) में श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल चरणपादुका के आचार्य एवं छात्रगण)

3.9. प्रशासक, उपप्राचार्य–अभिभावक सम्मेलन :

गुरुकुल में समय–समय पर छात्रों के अध्ययन–अध्यापन प्रगति के विषय में चर्चा हेतु प्रशासक की उपस्थिति में उप प्राचार्य–अभिभावक सम्मेलन होता है। प्रतिवर्ष की भाँति इस सत्र में भी ये सम्मेलन **19.03.2018** को श्री माता वैष्णो देवी आध्यात्मिक केन्द्र कटरा में आयोजित हुए।

(प्रशासक, उपप्राचार्य–अभिभावक सम्मेलन)

3.10.वार्षिक परीक्षाफल—विवरण :

- सत्र 2017–2018 का वार्षिक—परीक्षाफल निम्नवत् रहा—

क्र. सं.	कक्षा	छात्र संख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्णता प्रतिशत
1.	प्रथमा प्रथमवर्ष (कक्षा—6 समकक्ष)	19	16	03	0	0	100%
2.	प्रथमा द्वितीयवर्ष (कक्षा—7 समकक्ष)	24	20	03	01	0	100%
3.	प्रथमा तृतीयवर्ष (कक्षा—8 समकक्ष)	27	27	0	0	0	100%
4.	पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष (कक्षा—9 समकक्ष)	15	15	0	0	0	100%
5.	पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष (कक्षा—10 समकक्ष)	25	25	0	0	0	100%
6.	उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष (कक्षा—11 समकक्ष)	15	14	0	0	01	93%
7.	उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष (कक्षा—12 समकक्ष)	11	11	0	0	0	100%
8.	शास्त्री प्रथमवर्ष (कक्षा—बीए समकक्ष)	10	10	0	0	0	100%

3.11. गुरुकुल के छात्रों की विशेषोपलब्धियॉ :

3.11.1. दिनांक **24** दिसम्बर **2017** को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा वाराणसी में आयोजित **35वें दीक्षान्त समारोह** में प्रथमा की वार्षिक परीक्षा **2017** में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता गुरुकुल के छात्र **मोहित शर्मा** एवं पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष की वार्षिक परीक्षा **2017** में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता गुरुकुल के छात्र **शुभम शर्मा** को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तरप्रदेश के सम्माननीय राज्यपाल श्री राम नाईकजी द्वारा प्रमाणपत्र सहित **वक्रतुण्ड—स्वर्णपदक एवं श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्वर्णपदक** से विभूषित किया गया।

(माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक महोदय द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए छात्र मोहित शर्मा व शुभम शर्मा)

3.11.2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष समायोजित की जाने वाली अखिल भारतीय विविध शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में भागग्रहणार्थ राज्यस्तरीय चयन हेतु **दिनांक 13 नवम्बर 2017** को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जम्मू परिसर में राज्यस्तरीय स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुकुल से कुल **8** छात्रों ने **अक्षरश्लोकी, अमरकोष–कण्ठपाठ, काव्य–कण्ठपाठ, अष्टाध्यायी–कण्ठपाठ, श्रीमद्भगवद्गीता–कण्ठपाठ, शास्त्रीय–स्फुर्तिस्पर्धा तथा धातुपाठ** प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में गुरुकुल के **7** छात्रों ने जम्मू व कश्मीर प्रान्त में **सर्वप्रथम स्थान** प्राप्त कर **दिनांक 18 जनवरी 2018 से 21 जनवरी 2018** तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान **एकलव्य परिसर अगरतला, त्रिपुरा** में आयोजित अखिल भारतीय स्पर्धा में राज्य का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया।

3.11.3. उक्त प्रतियोगिताओं में **काव्यकण्ठपाठ** में पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष के मेधावी छात्र **गोतम शर्मा** ने सम्पूर्ण भारत में **प्रथम स्थान** प्राप्त कर **स्वर्णपदक** प्राप्त किया तथा अमरकोष कण्ठपाठ में उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष के मेधावी छात्र **शुभम शर्मा** ने सम्पूर्ण भारत में **द्वितीय स्थान** प्राप्त कर रजतपदक प्राप्त किया।

3.11.4. दिनांक **05** मार्च **2018** को जम्मू कश्मीर के महामहिम राज्यपाल व श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा गुरुकुल के नौ मेधावी छात्रों का सम्मान राजभवन, जम्मू में किया गया। आपने राष्ट्रिय एवं राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित कक्षा प्रथमा (आठवीं) एवं पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष (दसवीं) की वार्षिक परीक्षा में विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्तकर **वक्रतुण्ड–स्वर्णपदक व श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्वर्णपदक** प्राप्तकर्ता छात्रों का सम्मान नगद एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा माननीय राज्यपालजी द्वारा श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड अध्यक्ष पदक से गुरुकुल के छात्र गौरव शर्मा व शुभम शर्मा को प्रवर व अवर स्वर्णपदक से सम्मानित किया।

(माननीय राज्यपाल महोदय जी से पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए छात्रगण)

सम्मान प्राप्तकर्ता छात्र निम्न हैं–

- **गोतम शर्मा, कक्षा – पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष (दसवीं)**
- **शुभम शर्मा, कक्षा – उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष (ग्यारहवीं)**
- मोहित शर्मा, कक्षा – पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष (नवमीं)
- अनीश शर्मा, कक्षा – पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष (दसवीं)
- राघव रमोत्रा, कक्षा – पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष (दसवीं)
- नन्दलाल, कक्षा – उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष (ग्यारहवीं)
- **अंकित शर्मा, कक्षा – शास्त्री प्रथमवर्ष**
- **प्रिक्षित शर्मा, कक्षा – शास्त्री प्रथमवर्ष**
- **गौरव शर्मा, कक्षा – उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष**

उक्त सम्मान समारोह में गुरुकुल शासी परिषद् के सम्माननीय अध्यक्ष व जम्मू कश्मीर राज्य के मुख्य सचिव श्री बी॰बी॰व्यास, गुरुकुल शासी परिषद् के पूर्व अध्यक्ष डॉ० एस्० एस्० बलोरिया जी, प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी, श्री उमंग नरूला जी, डॉ॰ एम॰ के॰ कुमार जी, श्री पंकज गुप्ता जी, श्री हेमकान्त पराशर जी, श्री गोपाल दास जी, राजभवन के अधिकारीगण, गुरुकुल के उपप्राचार्य, आचार्यगण तथा सम्मानित छात्रों के अभिभावकगण उपस्थित रहे।

माननीय राज्यपाल जी के द्वारा गुरुकुल की प्रगति के विषय में पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान अध्यक्ष से चर्चा की गई। इस समारोह में शासी परिषद् के सदस्य एवं गुरुकुल के निदेशक जी ने गुरुकुल के परिचय एवं प्रगति को उपस्थापित किया। माननीय राज्यपाल जी ने छात्रों के अभिभावकों से भी बातचीत की तथा गुरुकुल कि भावी योजनाओं के बारे में चर्चा की गई।

(माननीय राज्यपाल महोदय जी के साथ गुरुकुल शासी परिषद के सदस्यगण)

(माननीय के साथ सामूहिक चित्र)

(सामूहिक चित्र)

3.12. विशिष्ट अतिथियों का आगमन :

गुरुकुल स्थापना के अनन्तर अनेक विशिष्ट विद्वानों तथा अतिथियों का समय–समय पर आगमन होता रहा है तथा इस **2016–2017** सत्र में गुरुकुल शासी परिषद् के माननीय सदस्य एवं श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के पदाधिकारीगणों के अलावा समागत निम्नलिखित विशिष्टजन उल्लेखनीय हैं–

1) प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय जी, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली।

2) प्रो० रजनी बाला जी, हिन्दी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।
3) प्रो० ओमप्रकाश नारायण द्विवेदी जी, हिन्दी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।
4) डॉ० विनय कुमार शुक्ला जी, हिन्दी विभाग, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू।
5) डॉ० पी०वी० सुब्रह्मण्यम जी, ज्योतिष विभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गरली परिसर (हिमाचल प्रदेश)।
6) डॉ० सुग्यान मंहती जी, साहित्य विभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गरली परिसर, (हिमाचल प्रदेश)।
7) श्री दयाल चन्द्र रैणा जी, वरिष्ठ अधिवक्ता जम्मू।
8) प्रो० केदारनाथ शर्मा जी, संकायप्रमुख, कला संकाय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।
9) प्रो० प्रभाकर प्रसाद जी, सर्वदर्शन विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली। ।

3.13. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

गुरुकुल स्थापना के पश्चात् संस्थागत एवं बाहरी पुजारियों को उपासना–विधि से सम्बन्धित प्रशिक्षण के उद्देश्य से दिनांक **15 जून 2010** को श्री माता वैष्णो देवी सीपन बोर्ड के अतिरिक्त मुख्यकार्यकारी अधिकारी **डॉ० मनदीप कुमार भण्डारी** जी द्वारा **चतुर्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम** का उद्घाटन गुरुकुल परिसर में हुआ। वर्तमान में यह कार्यक्रम षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के रूप में संचालित किया जा रहा है। **सत्र 2017–2018** में **4** पाठ्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें **21 संस्थागत पुजारियों** एवं **19 बाहरी पुजारियों** ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मे भाग लेते संस्थागत पुजारी)

3.14. निदेशक, उपप्राचार्य, आचार्य–अभिभावक समागम :

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल परिसर में गुरुकुल के निदेशक प्रो०विश्वमूर्ति शास्त्री जी की उपस्थिति में दिनांक **25.02.2018** गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों के साथ अध्ययन–अध्यापन, अनुशासन के संदर्भ में गंभीर चर्चा की। जिसमें गुरुकुल के उप प्राचार्य, आचार्य, छात्र सरंक्षक उपस्थित रहे।

(गुरुकुल के निदेशक प्रो॰ विश्वमूर्ति शास्त्री जी अभिभावकों को संबोधित करते हुए)

3.15. नूतनछात्र प्रवेश प्रक्रिया :

वर्तमान सत्र **2017-2018** में प्रवेश के लिए **दिनांक 11 मार्च 2018** को लिखित एवं **दिनांक 14–15 मार्च 2018** को मौखिक परीक्षा आयोजित की गयी। उक्त लिखित परीक्षा में **174** छात्र सम्मिलित हुए। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर **53 छात्र** (मेधासूची के अनुसार) **मौखिक परीक्षा** में सम्मिलित हुए। उक्त प्रवेश प्रक्रिया द्वारा **20 छात्रों** का चयन किया गया तथा **10 छात्रों** को प्रतीक्षासूची में रखा गया है।

(लिखित परीक्षा में भाग लेते छात्र)

(छात्र का व्यक्तिगत साक्षात्कार लेते हुए अधिकारीगण)

4. विदाई समारोह: श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल में दिनांक 29-05-2018 को उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। गुरुकुल के उप प्राचार्य डॉ॰ देवेन्द्र रिजाल जी समारोह के मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम का संचालन उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष के छात्रों ने किया। कार्यक्रम में उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों ने अपने–अपने अनुभवों को साझा किया। तत्पश्चात् श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के आचार्यों तथा शिक्षकों ने भी प्रेरणादायी आशीर्वचनों से छात्रों को अभिसिञ्चित किया।

(उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों का प्रशासक एवं आचार्यों के साथ सामूहिक चित्र)

5.भविष्य की भावी योजना

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल अपने स्थापना वर्ष से अब तक नित्य निरन्तर नवीन उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है। भविष्य में भी यहाँ के छात्र विश्वस्तर पर भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ाएं इस हेतु भविष्य की भावी योजनाएं निम्नलिखित हैं।

१. ज्योतिष विषयक खगोलिय ज्ञान हेतु वेधशाला का निर्माण।

२. अखिल भारतीय स्पर्धाओं में अधिक से अधिक गुरुकुल के छात्रों की सहभागिता।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।

।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

।। जय माता दी।।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटरा

विद्याऽमृतमश्नुते

अवकाश–सूची–2018–2019

अप्रैल–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
30						प्र
2	3	4	5	6	7	अ
9	10	11	12	13	14	15
16	प्र	18	19	20	21	22
अ	24	25	26	27	28	29

मई–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
	प्र	2	3	4	5	6
7	अ	9	10	11	12	13
14	15	प्र	17	18	19	20
21	अ	23	24	25	26	27
28	29	प्र	31			

जून–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
				1	2	3
4	5	6	अ	8	9	10
11	12	13	प्र	15	16	17
18	19	अ	21	22	23	24
25	26	27	28	प्र	30	

जुलाई–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
30	31					1
2	3	4	5	अ	7	8
9	10	11	12	प्र	14	15
16	17	18	19	अ	21	22
23	24	25	26	27	प्र	29

अगस्त–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
		1	2	3	4	अ
6	7	8	9	10	11	प्र
13	14	15	16	17	अ	19
20	21	22	23	24	25	26
प्र	28	29	30	31		

सितम्बर–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
					1	2
अ	4	5	6	7	8	9
प्र	11	12	13	14	15	16
अ	18	19	20	21	22	23
24	25	प्र	27	28	29	30

अक्तूबर–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
29	30	31				
1	अ	3	4	5	6	7
8	9	प्र	11	12	13	14
15	16	अ	18	19	20	21
22	23	24	प्र	26	27	28

नवम्बर–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
			अ	2	3	4
5	6	7	प्र	9	10	11
12	13	14	15	अ	17	18
19	20	21	22	23	प्र	25
26	27	28	29	अ		

दिसम्बर–2018

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
31					1	2
3	4	5	6	7	प्र	9
10	11	12	13	14	अ	16
17	18	19	20	21	22	प्र
24	25	26	27	28	अ	30

जनवरी–2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
	1	2	3	4	5	प्र
7	8	9	10	11	12	13
अ	15	16	17	18	19	20
21	प्र	23	24	25	26	27
अ	29	30	31			

फरवरी–2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
				1	2	3
4	प्र	6	7	8	9	10
11	12	अ	14	15	16	17
18	19	प्र	21	22	23	24
25	अ	27	28			

मार्च–2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
				1	2	3
4	5	6	प्र	8	9	10
11	12	13	अ	15	16	17
18	19	20	प्र	22	23	24
25	26	27	अ	29	30	31

अन्य अवकाश

1	ग्रीष्मावकाश	: 08.06.18 से 14.07.18 तक (37दिन)	
2	स्वतन्त्र दिवस	: 15 अगस्त 2018 बुधवार	
3	रक्षाबन्धन	: 26 अगस्त 2018 रविवार	
4	महानवमी	: 18 अक्टूबर 2018 गुरुवार	
5	विजयादशमी	: 19 अक्टूबर 2018 शुक्रवार	
6	दीपावली	: 05.11.18 से 12.11.18 तक (8 दिन)	
7	शीतावकाश	: 01.01.19 से 15.01.19 तक (15 दिन)	
8	गणतन्त्र दिवस	: 26 जनवरी 2019 शनिवार	
9	वसन्तपंचमी	: 10 फरवरी 2019 रविवार	
10	महाशिवरात्रि	: 04 मार्च 2019 सोमवार	
11	होली	: 20 मार्च 2019 बुधवार	

उप–प्राचार्य